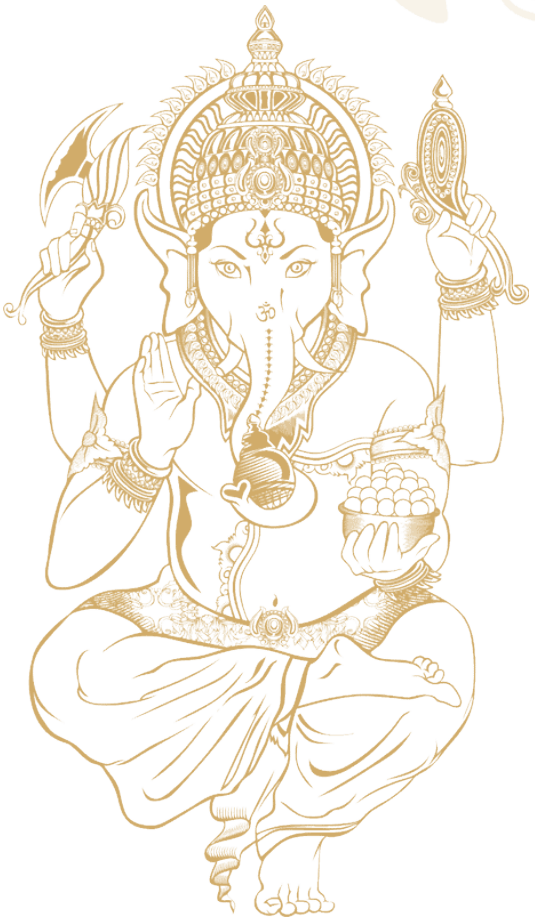

Mr.Somnath

26 Dec 2025

05:06 PM

Anupgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120744502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/12/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:06:00 घंटे**
इष्ट	24:01:21 घटी
स्थान	**Anupgarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:11:00 उत्तर
रेखांश	73:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:34 घंटे
साम्पातिक काल	22:49:45 घंटे
सूर्योदय	07:29:27 घंटे
सूर्यास्त	17:46:18 घंटे
दिनमान	10:16:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:43:35 धनु
लग्न के अंश	02:29:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:29:54	336:20:56	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			धनु	10:43:35	01:01:08	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	24:26:00	13:11:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	धनु	14:14:58	00:45:45	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	26:06:31	01:29:26	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:50:24	00:07:27	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	08:02:34	01:15:31	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			मीन	01:38:53	00:02:58	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	17:01:48	00:00:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	17:01:48	00:00:28	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:53:21	00:01:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:13:31	00:00:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:20:02	00:01:45	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	16:45:00	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:17

लग्न-चलित

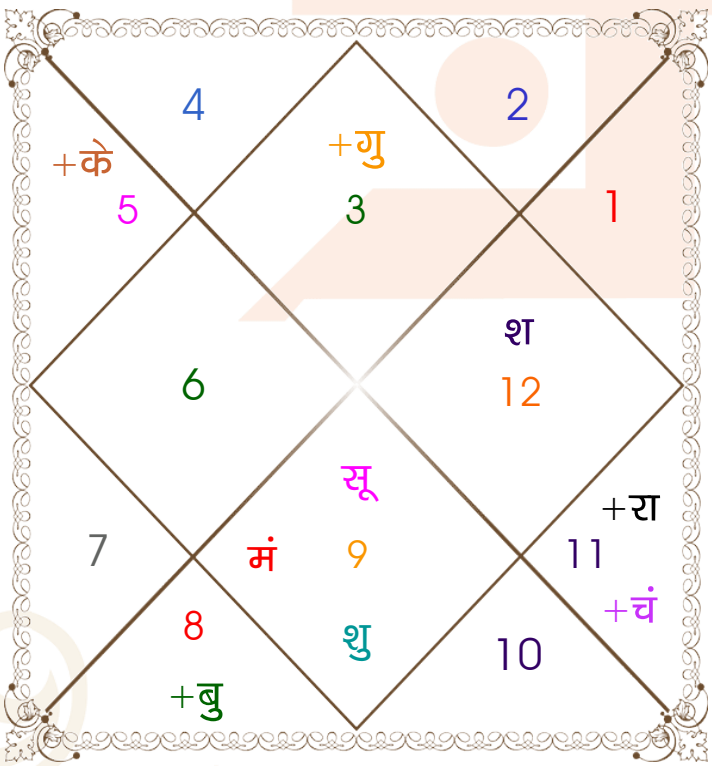

चन्द्र कुंडली

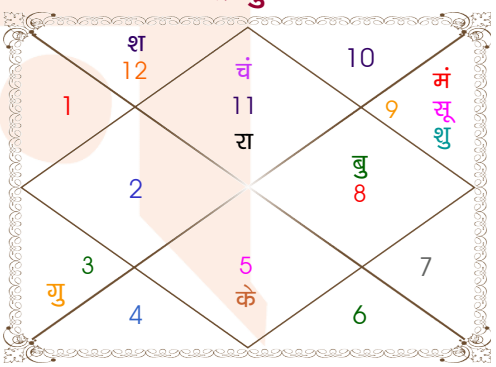

नवमांश कुंडली

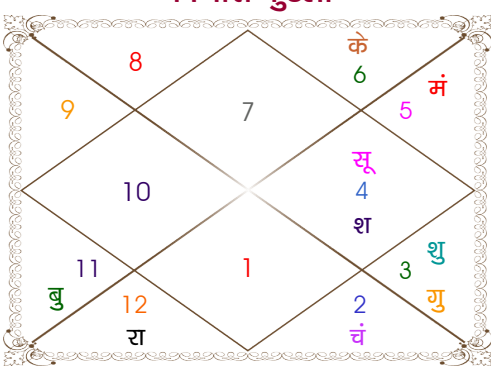

Bhavishya Darshan Jyotish Kendra
Near Singh Sabha Gurudwara
Anupgarh Rajasthan
9414505185
harshsharma05185@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 8 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/12/2025		31/08/2036		01/09/2055		31/08/2072		01/09/2079	
31/08/2036		01/09/2055		31/08/2072		01/09/2079		01/09/2099	
	00/00/0000	शनि	04/09/2039	बुध	27/01/2058	केतु	27/01/2073	शुक्र	31/12/2082
	26/12/2025	बुध	14/05/2042	केतु	25/01/2059	शुक्र	29/03/2074	सूर्य	01/01/2084
बुध	07/08/2027	केतु	23/06/2043	शुक्र	25/11/2061	सूर्य	04/08/2074	चंद्र	31/08/2085
केतु	13/07/2028	शुक्र	22/08/2046	सूर्य	01/10/2062	चंद्र	05/03/2075	मंगल	31/10/2086
शुक्र	14/03/2031	सूर्य	04/08/2047	चंद्र	01/03/2064	मंगल	01/08/2075	राहु	31/10/2089
सूर्य	01/01/2032	चंद्र	05/03/2049	मंगल	27/02/2065	राहु	19/08/2076	गुरु	01/07/2092
चंद्र	02/05/2033	मंगल	14/04/2050	राहु	16/09/2067	गुरु	26/07/2077	शनि	01/09/2095
मंगल	07/04/2034	राहु	17/02/2053	गुरु	22/12/2069	शनि	04/09/2078	बुध	02/07/2098
राहु	31/08/2036	गुरु	01/09/2055	शनि	31/08/2072	बुध	01/09/2079	केतु	01/09/2099

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/09/2099		01/09/2105		02/09/2115		02/09/2122		01/09/2140	
01/09/2105		02/09/2115		02/09/2122		01/09/2140		00/00/0000	
सूर्य	19/12/2099	चंद्र	03/07/2106	मंगल	29/01/2116	राहु	15/05/2125	गुरु	20/10/2142
चंद्र	20/06/2100	मंगल	01/02/2107	राहु	15/02/2117	गुरु	08/10/2127	शनि	03/05/2145
मंगल	26/10/2100	राहु	02/08/2108	गुरु	22/01/2118	शनि	14/08/2130	बुध	27/12/2145
राहु	20/09/2101	गुरु	02/12/2109	शनि	03/03/2119	बुध	03/03/2133		00/00/0000
गुरु	09/07/2102	शनि	03/07/2111	बुध	28/02/2120	केतु	21/03/2134		00/00/0000
शनि	21/06/2103	बुध	01/12/2112	केतु	27/07/2120	शुक्र	21/03/2137		00/00/0000
बुध	26/04/2104	केतु	02/07/2113	शुक्र	26/09/2121	सूर्य	13/02/2138		00/00/0000
केतु	01/09/2104	शुक्र	03/03/2115	सूर्य	31/01/2122	चंद्र	15/08/2139		00/00/0000
शुक्र	01/09/2105	सूर्य	02/09/2115	चंद्र	02/09/2122	मंगल	01/09/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 7 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।